Red Flag Newspaper

# किसान बड़े पैमाने पर पूंजीवादी-फासीवादी आतंकवाद से लड़ते हैं

## कम्युनिस्ट वर्कर्स  पार्टी (ICWP) के लिए क्रांति की जरूरत है!

७ सितंबर — पांच लाख से अधिक किसान, खेत मजदूर और उनके समर्थक सड़कों पर उतर रहे हैं।
उत्तर प्रदेश (यूपी), भारत का सबसे बड़ा राज्य। वे कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग कर रहे हैं जो कि
उनकी जमीन और रोजी-रोटी छीन लो।

उन्होंने हजारों बसों, ट्रकों और ट्रॉली के रूप में 500 से अधिक लंगर (सामुदायिक रसोई) का आयोजन किया हैयूपी के
मुजफ्फरनगर में उतर रहे हैं।

पुलिस ने मार्च करने वालों पर पानी का गोला, आंसू गैस के गोले छोड़े और रबर की गोलियां चलाईं। मार्चर्स वापस लड़े,
बेरिकेड्स को उखाड़ फेंका और फ्रीवे को अवरुद्ध करना।

पड़ोसी राज्य हरियाणा के कस्बे  जनता को महापंचायत (गांव .) के लिए बुला रहे हैं
सभाएँ) जो हजारों को आकर्षित कर रही हैं। जिलाधिकारी ने पुलिस से 'सिर तोड़ने' को कहा था
प्रदर्शनकारी, जिसके परिणामस्वरूप घातक हिंसा हुई। जनता उनके लिए मौत की सजा की मांग कर रही है।

फासीवादी शासकों ने इंटरनेट काट दिया है और अधिक सैनिकों और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। कामरेड और अंतर्राष्ट्रीय कम्युनिस्ट वर्कर्स पार्टी (ICWP) के मित्र साम्यवाद के लिए लामबंद हैं
जनता के बीच। संचार फिर से स्थापित होने पर हम उनसे और अधिक सुनेंगे।

## मुजफ्फरनगर : रेस वार से लेकर क्लास वार तक

एक अभूतपूर्व आधा मिलियन लोग, हिंदू और मुस्लिम कार्यकर्ता, मुजफ्फरनगर में एकत्र हुए हैं
किसानों का समर्थन करें।

2013 में , फासीवादी भाजपा (जो अब भारत पर शासन करती है) ने इस शहर को अपने कब्जे में ले लिया था और इसे एक नस्लवादी में बदल दिया था। हिंदू और मुस्लिम श्रमिकों को विभाजित करना। इसे "उत्तर प्रदेश में सबसे भीषण हिंसा" के रूप में वर्णित किया गया था ।(यूपी) हाल के इतिहास में। मारे गए लोगों में ज्यादातर मुस्लिम मजदूर थे।

भाजपा के कई प्रमुख नेताओं पर हत्या का आरोप लगाया गया था। लेकिन - कोई आश्चर्य नहीं! - मोदी और वर्तमान शासन भाजपा के फासीवादियों ने सारे आरोप हटा दिए। इस बीच हजारों मुस्लिम और दलित युवक जेलों में बंद हैं पिछले आठ वर्षों से, बिना किसी आरोप के, "दंगे पैदा करने के संदेह" पर।

फासीवादी मोदी सरकार ने हाल ही में अफगानिस्तान में तालिबान के अधिग्रहण का इस्तेमाल जातिवाद को भड़काने के लिए करने की कोशिश की है फिर से नफरत। इसके बजाय, किसानों का समर्थन करने के लिए 500,000 हिंदू और मुस्लिम कार्यकर्ता एकजुट हुए!

## हर जगह साम्यवाद फैलाकर अंतर्राष्ट्रीय एकता का निर्माण करें

कम्युनिस्ट मज़दूरों की शक्ति के लिए केवल क्रांति ही अंततः फासीवादी पूँजीवाद को हरा सकती है।

केवल साम्यवाद सभी के लिए उपयोगी सामूहिक कार्य की गारंटी दे सकते हैं ।

केवल साम्यवाद ही जातिवाद, राष्ट्रवाद और सांप्रदायिकता को जड़ से नष्ट कर सकता है। केवल साम्यवाद ही कर सकता है ।

जातियों और वर्गों और महिलाओं के उत्पीड़न को समाप्त करें।

यह भारत और हर जगह आईसीडब्ल्यूपी (ICWP) के साथियों का संघर्ष है! आइए भारत की खबर फैलाएं किसानों का संघर्ष। आइए रेड फ्लैग और अन्य आईसीडब्ल्यूपी (ICWP) के वितरण को व्यापक रूप से बढ़ाकर इसका समर्थन करें, और हमारे कार्यस्थलों, स्कूलों, पड़ोस और बैरकों में बैठकें आयोजित करके।

आइए ICWP में कई और नए सदस्यों की भर्ती करें। फासीवादी पूंजीवाद के खिलाफ संघर्ष में हर जगह आईसीडब्ल्यूपी का निर्माण करके, कम्युनिस्ट श्रमिकों की शक्ति के लिए।

कम्युनिस्ट क्रांति के साथ जातिवाद, मजदूरी गुलामी और फासीवाद को समाप्त करें!

मजदूर, किसान, सैनिक, युवा: कम्युनिस्ट मजदूरों की ताकत के लिए लड़ो!

बिना राष्ट्र या सीमाओं वाले कम्युनिस्ट विश्व के लिए: पढ़ें, लिखें, लाल झंडा प्रसारित करें !